प्रकाशन तिथि : 15 मई, 2024
प्रेषण तिथि : 19 मई, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 05 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

देशभर में उत्साह से मनाई राष्ट्रगौरव महाराणा प्रताप की जयंती

डीडवाना

दिल्ली

मातृभूमि की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए 25 वर्षों तक अथक संघर्ष करने वाले राष्ट्रगौरव महाराणा प्रताप की जयंती आंग्ल तिथि के अनुसार 9 मई को देशभर में विभिन्न स्थानों पर उत्साह पूर्वक मनाई गई। स्वतंत्रता और स्वाभिमान के वैश्विक प्रतिमान महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर के साबरमती लॉन में छात्रों तथा श्री प्रताप युवा शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जेएनयू के प्रो. रामावतार मीणा, दिल्ली विश्विद्यालय के प्रो. सौम्य कुमार, रिसर्च स्कॉलर अंकेश भाटी, राजेन्द्र सिंह चारण, रविन्द्र मेघवाल, जसराज चौधरी, संजीव मिश्रा, प्रफुल कुमार, रुद्रांश राणा, छैल सिंह भाटी, आदर्श सिंह, श्री क्षत्रिय युवक संघ के भूपेन्द्र सिंह आदि वक्ताओं ने महानायक प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न अनछुए ऐतिहासिक पहलुओं पर विचार रखे और कहा कि महाराणा प्रताप जैसा राष्ट्रीय चरित्र इस देश की गौरवशाली थाती है। उन्हें किसी विचारधारा विशेष, धर्म या जाति तक ही सीमित नहीं किया जाकर उनके समावेशी व्यक्तित्व से प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक महेन्द्र सिंह सेखाला ने किया। 9 मई को महाराणा प्रताप स्मृति निर्माण समिति द्वारा महाराणा प्रताप के जन्मोत्सव को स्वाभिमान शौर्य दिवस के रूप में मनाते हुए गाजियाबाद में चौपहिया एवं दोपहिया वाहनों के साथ भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। महाराणा प्रताप चौक नंदग्राम पर स्थित महाराणा की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ प्रारंभ इस शोभायात्रा का समापन महाराणा प्रताप भवन नेहरू नगर पर हुआ। महाराणा प्रताप भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भंडारे का आयोजन किया गया। समारोह में एसीपी रवि कुमार सिंह, एसएचओ धर्मपाल सिंह व अनिल खेड़ा उपस्थित रहे। गाजियाबाद की मधी क्षेत्र राजपूत सभा, राजपूत सभा साहिबाबाद, क्षत्रिय समाज सेवा समिति नंदग्राम, करणी सेना गाजियाबाद, अखंड राजपूताना सेवा संस्थान, राजपूत योद्धा परिवार, गोविंदपुरम क्षत्रिय सभा, क्षत्रिय सेवा संघ, राजपूत महासभा लोनी आदि संस्थाओं के कार्यकर्त्ता आयोजन में शामिल रहे। मंच संचालन नीता सिंह एवं प्रदीप सिसोदिया द्वारा किया गया। वक्ताओं द्वारा महाराणा प्रताप के जन्मोत्सव को स्वाभिमान शौर्य दिवस के रूप में मनाने के लिए राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग भी रखी गई। हरियाणा के भिवानी में प्रताप चौक पर महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष ओमवीर सिंह तंवर, नरेश तंवर जीएम, सतीश परमार अधिवक्ताओं ने संबोधित किया और प्रताप को भारतीय इतिहास का महान नायक बताया।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

श्री राजपूत सभा जयपुर की प्रतिनिधि सभा की बैठक संपन्न

श्री राजपूत सभा जयपुर की प्रतिनिधि सभा की बैठक 11 मई को जयपुर स्थित राजपूत सभा भवन में आयोजित हुई। बैठक में राजपूत सभा जयपुर के क्षेत्राधिकार में आने वाले 12 जिलों - जयपुर शहर, जयपुर देहात, दौसा, अलवर, सवाई माधोपुर, करौली, सीकर, झुंझुनू, धौलपुर, अजमेर, टोंक और भरतपुर से सभा के प्रतिनिधियों एवं आजीवन सदस्यों ने भाग लिया। विगत छह माह में सभा द्वारा किए गए विभिन्न सामाजिक कार्यों एवं गतिविधियों का प्रतिवेदन सभी के सामने प्रस्तुत किया गया। बैठक के दौरान ईडब्ल्यूएस आरक्षण की विसंगतियों को दूर करने को लेकर एक प्रस्ताव रखा गया जिसे उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। निकट भविष्य में सभा द्वारा किए जाने वाले कार्यों हेतु योजना भी बनाई गई। राजपूत सभा भवन द्वारा संचालित कोचिंग का समाज के अधिकाधिक विद्यार्थियों को किस प्रकार लाभ मिले, इस पर भी चर्चा की गई। श्री राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई अन्य पदाधिकारियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हुए हिम्मत सिंह राठौड़

पूर्व कमांडो हिम्मत सिंह राठौड़ ने 24 घंटे में 70000 सीढ़ियां चढ़कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। उन्होंने 6 मई को शाम 5:31 बजे सीढ़ियां चढ़नी प्रारंभ की और 7 मई को शाम 5:17:47 बजे अपना लक्ष्य पूरा कर लिया। उन्होंने गांधी पथ, वैशाली नगर, जयपुर में सिम्फोनीया अपार्टमेंट की दो बेसमेंट सहित कुल 21 मंजिल की 439 सीढ़ियों के 161 राउंड लगाकर कुल 70679 सीढ़ियां चढ़ी।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

देशभर में उत्साह से मनाई राष्ट्रगौरव महाराणा प्रताप की जयंती

अलवर

(पेज एक से लगातार)

मुरादाबाद में महाराणा प्रताप चौक पर स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की जिला इकाई के सदस्यों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करके महाराणा प्रताप को स्मरण किया गया। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर हनवंत राजपूत छात्रावास, जोधपुर में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को समिति सचिव राजेंद्र सिंह लीलिया व छात्र नेता मोतीसिंह फलसूंड ने संबोधित किया। अन्य विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के पश्चात छात्रों द्वारा छात्रावास से मेजर शैतान सिंह सर्किल तक रैली निकाली गई। कार्यक्रम का संचालन ईश्वर सिंह भाटा द्वारा किया गया। जोधपुर संभाग बापिणी मंडल के भांदा गांव में भी जयंती कार्यक्रम मनाया गया जिसमें रिषपाल सिंह भांदा, इंदर सिंह भांदा द्वारा महाराणा प्रताप की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया गया और शेर सिंह बेदु द्वारा महाराणा प्रताप के जीवन चरित्र के बारे में बताया गया। बापिणी मंडल के बेदु गांव में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भोम सिंह बेदु व गुलाब सिंह बेदु ने महाराणा प्रताप के त्याग और संघर्ष के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन नखत सिंह? बेदु? द्वारा किया गया। आऊ मंडल में देणोक गांव के इन्दो का बास में भी जयंती मनाई गई जिसमें सुमेर सिंह इन्दो का बास द्वारा महाराणा प्रताप के चरित्र को अपने जीवन में उतारने की बात कही गई। महाराणा प्रताप की जयंती राजपूत सभा भवन डीडवाना में भी समारोह पूर्वक मनाई गई। संयोजक भरत सिंह कुड़ली ने बताया कि जयंती के उपलक्ष में सर्व समाज के लोगों द्वारा विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली सैनिक कल्याण बोर्ड से चुंगी चौकी, भगत सिंह सर्किल, फव्वारा सर्किल, दीनदयाल उपाध्याय सर्किल, अम्बेडकर सर्किल होते हुए राजपूत सभा भवन में पहुंची जहां जयंती समारोह का आयोजन हुआ। वाहन रैली का सर्वसमाज के बंधुओं द्वारा पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। भाजपा नेता जितेंद्र सिंह जोधा ने महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर स्वाभिमान और संघर्ष की भावना जीवन में पैदा लगने की बात कही। सभा अध्यक्ष रूघवीर सिंह चौमूं, भंवर सिंह फौजी, लोकेंद्र सिंह थाणूं ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। जय सिंह सागू बड़ी, करणी सिंह लाडनूं, विक्रम सिंह सागु, विनोद सिंह बरांगणा, शक्ति सिंह नाथावत, सूर्य प्रताप सिंह खंगार, अजय सिंह जोधा सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। नागौर स्थित श्री अमर छात्रावास में भी जयंती मनाई गई। बौद्ध सिंह जोधियासी ने कहा कि सभी वर्गों को साथ लेकर सामाजिक समरसता के भाव के साथ हमें आगे बढ़ना चाहिए। संस्थान के सचिव देवेंद्र सिंह ने महाराणा प्रताप से प्रेरणा लेकर उन्हीं की भांति क्षात्रधर्म का पालन करने का आह्वान किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांतप्रमुख उगम सिंह गोकुल ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ शिविर, शाखा, जयंती और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से निरन्तर महाराणा प्रताप जैसे महान पूर्वजों के आदर्श को घर-घर पहुंचाने के लिए कार्य कर रहा है। भवानी सिंह, अभिमन्यु सिंह ने भी अपने विचार रखे। महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में कुचामन शहर के कनोई पार्क से कुचामन फोर्ट तक पदयात्रा निकाली गई एवं कुचामन फोर्ट में जयंती समारोह का आयोजन हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के कुचामन प्रांत प्रमुख नत्थू सिंह छापड़ा, दीपेन्द्र सिंह पलाड़ा, सुनील सिंह, कुचामन नगरपरिषद के नेता प्रतिपक्ष अनिल सिंह मेडतिया, पार्षद मान सिंह मोररा, राजेंद्र सिंह प्रेमपुरा आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सागुबड़ी गांव के राजपूत सभा भवन में भी महाराणा प्रताप जयंती का आयोजन किया गया। नवीन सिंह और केशर सिंह सागु ने महाराणा प्रताप के शौर्य के बारे में बताया। राव तिरमल सेवा संस्थान कासली द्वारा प्राचीन शिव मंदिर कासली में महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। दुर्गा महिला विकास संस्थान की छात्राओं ने यज्ञ, प्रार्थना व सहगायन करवाया। घिसु सिंह कासली ने पूज्य तन सिंह जी द्वारा रचित लेख 'चेतक की समाधि से' का पठन किया। कार्यक्रम में गांव के अनेक समाजबंधुओं ने भाग लिया एवं प्रताप के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। बहरोड़ तहसील में खोहर क्षेत्र के बसई गांव में महाराणा प्रताप जयंती राजपूत जागृति मंच द्वारा मनाई गई जिसमें करणी सेना के प्रताप सिंह कालवी, अलवर उत्तर के भाजपा अध्यक्ष उम्मेद सिंह भाया, मुंडावर विधायक ललित यादव, कांग्रेस नेता संजय यादव सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। करौली जिले के चम्बल इलाके से सटे मण्डरायल में भी जयंती मनाई गई। चुरू जिले के तारानगर क्षेत्र के साहवा कस्बे में रावत कांधलदेव संस्थान द्वारा संस्थान परिसर में प्रताप जयंती के अवसर पर 'एक शाम महाराणा प्रताप के नाम' भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वीर बहादुर सिंह एवं डॉ रणधीर सिंह ढाका ने प्रताप के शौर्य एवं संघर्ष के बारे में बताया। क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। प्रताप जयंती के अवसर पर अलवर शहर में केसरिया रैली का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों वाहनों के साथ महाराणा प्रताप एवं अन्य महापुरुषों की झांकियां भी सम्मिलित थी। परशुराम सर्किल पर स्थित राजपूत छात्रावास से प्रारंभ होकर रैली त्रिपोलिया, होप सर्कस, घंटाघर, शहीद स्मारक, नंगली सर्किल एसएमडी होते हुए मोती डूंगरी स्थित महाराणा प्रताप के स्मारक पर पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर शहर वासियों द्वारा रैली का स्वागत किया गया। हरियाणा के भिवानी जिले के बवानीखेड़ा में सर्व राजपूत सभा द्वारा प्रताप जयंती का आयोजन किया गया। सांसद प्रत्याशी सुभाष सिंह परमार, ओमवीर सिंह तंवर, वेदपाल सिंह परमार, मानसिंह परमार, प्रकाश सिंह तंवर आदि वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा कि महाराणा प्रताप सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर शहर में वाहन रैली का आयोजन भी किया गया। हरियाणा के फतेहाबाद जिले के चौबारा गांव में भी जयंती मनाई गई। पश्चिमी उत्तरप्रदेश के रामपुर क्षेत्र के मानसिंह पट्टी गांव में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा प्रताप जयंती पर शोभायात्रा का आयोजन किया गया। महासभा के कार्यकर्ताओं के साथ अनेकों समाजबंधु शोभायात्रा में शामिल हुए एवं महाराणा प्रताप के प्रति श्रद्धा व कृतज्ञता प्रकट की। हैदराबाद में क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड के प्रांगण में महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ। ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह बिसेन अन्य सदस्यों एवं समाजबंधुओ के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की आसनसोल शाखा द्वारा महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जमुरिया विधायक हरिराम सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल्दी ही एचएलजी अस्पताल मोड पर महाराणा प्रताप की मूर्ति स्थापित करने की बात कही। शिविर में 20 व्यक्तियों द्वारा रक्तदान किया गया। हिमाचल प्रदेश में भी नाहन मेडिकल कॉलेज परिसर में प्रताप जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन ग्रामीण राजपूत सभा सिरमौर द्वारा किया गया। स्थानीय विधायक अजय सोलंकी ने सभी से प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर देश की सेवा करने की बात कही। श्री क्षत्रिय युवक संघ की भायंदर शाखा में 12 मई को महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई जिसमें प्रांत प्रमुख रणजीत सिंह आलासन सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

कुचामन फोर्ट

कासली

गाजियाबाद

आसनसोल (प. बंगाल)

नाहन (हिमाचल प्रदेश)

मंडरायल (करौली)

नागौर

जोधपुर

बसई (अलवर)

पशु चिकित्सा महाविद्यालय के क्षत्रिय विद्यार्थी स्नेहमिलन का आयोजन

पशु चिकित्सा महाविद्यालय पीजीआईवीआर जयपुर के क्षत्रिय विद्यार्थियों के स्नेहमिलन ₹रणभेरी₹ का आयोजन 12 मई को वेशाली नगर, जयपुर में किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रणभेरी का अर्थ होता है युद्ध में प्रवृत होने की घोषणा। हमारे सामने प्रश्न यह होना चाहिए कि आज हम कौन से युद्ध में प्रवृत हो रहे हैं, उसका स्वरूप क्या है, साधन क्या हैं और उसका लक्ष्य क्या है? श्री क्षत्रिय युवक संघ इन्हीं प्रश्नों का उत्तर है। ईश्वरीय योजना के तहत हम क्षत्रिय के घर जन्मे, विद्यार्थी के रूप में हमें पशु चिकित्सा क्षेत्र मिला एवं भविष्य में इस क्षेत्र में राजपूत के रूप में अंक अपनी श्रेष्ठता को प्रकट हम कैसे कर पायें, इसके लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें तैयार करता है। क्षत्रियत्व को संकीर्णता मानना एक भूल है क्योंकि क्षत्रियत्व से ही हम ईश्वर द्वारा रचित इस संसार में अपनी उपयोगिता सिद्ध कर सकते हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ का पूरा तंत्र इसी क्षत्रियत्व को जागृत करने के लिए एक पाठशाला है, जहां ऐसा वातावरण एवं अवसर उपलब्ध कराया जाता है कि हमारे अंदर का क्षत्रियत्व विकसित हो सके। उन्होंने आगे कहा कि आज समाज में प्रत्येक क्षेत्र में यह बात कही जाती है कि हमारा प्रतिनिधित्व कम है, हमारे अधिकारी कम है, हमारे राजनेता कम है, परंतु श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का चिंतन यह कहता है कि अभावों का अनावश्यक रोना नहीं रोते हुए जो कुछ उपलब्ध है, उस पर अपनी ऊर्जा केंद्रित करने की आवश्यकता है। इसी से समाज सापेक्ष कार्य किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन पलक कंवर एवं लक्षिता राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में डॉ. जालम सिंह अग्रोहा, डॉ. नरेंद्र सिंह जालिमपुरा, डॉ. सुरेंद्र सिंह शेखावत, डॉ. करतार सिंह, डॉ. अनु कवंर, जितेंद्र सिंह बीराण, कुलदीप सिंह तिलानेश, देवेंद्र सिंह खानरी, भारतसिंह माडोली सहित महाविद्यालय में अध्यनरत अनेक छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

झामेश्वर महादेव परिसर में राजपूत धर्मशाला की हुई प्रतिष्ठा

उदयपुर के निकट स्थित श्री झामेश्वर महादेव मंदिर परिसर में समस्त राजपूत समाज द्वारा श्री राजपूत क्षत्रिय धर्मशाला का नवनिर्माण किया गया है जिसकी प्रतिष्ठा का कार्यकम 5 मई को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गिर्वा (उदयपुर) क्षेत्र के विभिन्न गांवों से समाजबंधु शामिल हुए। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकताओं एवं भामाशाहों का सम्मान भी किया गया। कार्यकम में बालू सिंह कानावत (अध्यक्ष मेवाड क्षत्रिय महासभा), पूर्व विधायक रणधीर सिंह भींडर, भंवर सिंह पवार, प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत, लाल सिंह देवड़ा, फतह सिंह देवड़ा, भरतभान सिंह डबोक, देवेंद्र सिंह मटून, भभूत सिंह तितरडी, तख्त सिंह शक्तावत आदि ने अपने विचार रखे और धर्मशाला के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब यहां दर्शनार्थ आने वाले समाजबंधुओं की किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। प्रतिष्ठा कार्यक्रम में विभिन्न संतों का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। मंच संचालन शूरवीर सिंह कोटड़ा ने किया। उल्लेखनीय है कि एक वर्ष की अवधि में बनकर तैयार हुई इस धर्मशाला में सभी सुविधाएं हैं और यहां 2 से 3 हजार श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था रहेगी। रात्रि विश्राम एवं पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। धर्मशाला सेवा समिति के शिवदान सिंह देवड़ा, ओनार सिंह देवड़ा, किशन सिंह, प्रेम सिंह, शंभू सिंह, प्रताप सिंह, लक्ष्मण सिंह, नाहर सिंह, नजर सिंह आदि धर्मशाला के निर्माण में सहयोगी रहे।

शहजादपुर (हरियाणा) में क्षत्रिय स्वाभिमान महापंचायत का आयोजन

हरियाणा के अंबाला जिले के शहजादपुर में 5 मई को क्षत्रिय स्वाभिमान महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में क्षेत्र से बड़ी संख्या में समाज बंधु सम्मिलित हुए और भारतीय जनता पार्टी द्वारा समाज की उपेक्षा करने पर आक्रोश जताया। सभी ने हरियाणा में 25 मई को होने वाले मतदान में समाज विरोधियों को सबक सिखाने की बात कही। क्षत्रिय राजपूत करणी सेना के राज शेखावत ने कहा कि समाज को अपने आक्रोश को भाजपा के विरुद्ध वोट करके जताना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सभी 10 सीटों पर राजपूत समाज को अपना प्रभाव दिखाना चाहिए।

श्री करणी कन्या छात्रावास में निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग कक्षाएं प्रारंभ

बीकानेर के गांधीनगर में स्थित श्री करणी कन्या छात्रावास में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) परीक्षा की तैयारी करने वाली छात्राओं के लिए निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग कक्षाएं प्रारंभ की गई हैं। ये कक्षाएं डॉ. सरोज राठौड़ के सक्रिय प्रयासों एवं स्प्रिंगबोर्ड कोचिंग संस्थान के दिलीप सिंह बुड़ीवाड़ा एवं राजवीर सिंह चलकोई के सहयोग से प्रारंभ हुई हैं। इसके लिए छात्रावास के हॉल में 55 इंच की बड़ी स्क्रीन लगाई गई है तथा इन कक्षाओं का समय प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक रखा गया है।

पूर्वज की स्मृति में किया भजन संध्या का आयोजन

पाली जिले के छोटी रानी में सुमेर सिंह वैरावत राठौड़ के देवल पर उनके वंशजों द्वारा उनकी स्मृति में भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशन सिंह राठौड़, मदन सिंह देवडा (सोकडा), करण सिंह बालोत, गोविन्द सिंह व विक्रम सिंह राठौड़ सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हीर सिंह लोडता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मातृशक्ति ने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर पूजा अर्चना की।

जिला मुख्यालयों पर होगा राजपूत प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन

राजपूत शिक्षा कोष के तत्वावधान में राजपूत प्रतिभा खोज परीक्षा 2024 का आयोजन 19 मई को जोधपुर, पाली, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर जिला मुख्यालयों पर किया जाएगा। 5 मई को जोधपुर स्थित मारवाड़ राजपूत सभा भवन में आयोजित केंद्रीय आयोजन समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में राजपूत शिक्षा कोष के संरक्षक पूर्व सांसद नारायण सिंह माणकलाव, सचिव श्याम सिंह सजाड़ा, राजपूत प्रतिभा खोज परीक्षा के संयोजक कोमल सिंह चंपावत एवं अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। परीक्षा में कक्षा 6, 7, 8 एवं 9 में प्रवेश के पात्र विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। परीक्षा 100 अंक की होगी जिसमें गणित, अंग्रेजी, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषय के 25-25 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा के माध्यम से राजपूत समाज में एक लाख रुपए वार्षिक आय वाले परिवार के प्रतिभावान बालकों का छात्रवृत्ति हेतु चयन किया जाएगा और उनकी आगे की शिक्षा की व्यवस्था राजपूत शिक्षा कोष द्वारा की जाएगी।

संपादकीय

सामाजिक विखंडन का बीज : राजनीतिक उन्माद

उन्माद एक ऐसी मानसिक स्थिति है जो उत्पन्न होने पर व्यक्ति के विवेक को और उससे संचालित उसके व्यवहार को असंतुलित कर देती है। किसी भी प्रकार के उन्माद में पड़ने पर व्यक्ति एक ऐसे क्षणिक प्रवाह में बहने लगता है जिसमें बहते हुए स्थाई और अधिक महत्त्वपूर्ण वास्तविकताएं उसकी दृष्टि से ओझल हो जाती हैं और वह केवल उस विशेष उन्माद के वशीभूत होकर ही व्यवहार करने लगता है। व्यक्ति के जीवन में तो अनेक बार इस प्रकार के उन्माद के क्षण आते ही हैं, समाजों और राष्ट्रों के जीवन में भी इस प्रकार के उन्माद पैदा होते रहते हैं चाहे वे धार्मिक उन्माद हो, जातीय उन्माद हों, वर्गीय अथवा नस्लीय उन्माद हों या युद्धोन्माद हों। लेकिन वर्तमान में सबसे अधिक प्रभावी और सबसे अधिक आवृत्ति वाला उन्माद राजनीतिक उन्माद ही है। यह इतना प्रभावी है कि अन्य सभी उन्मादों को भी आज यही आवेशित और संचालित करने लगा है। हमारे देश में वर्तमान चुनावी परिदृश्य में राजनीतिक उन्माद एक बार फिर अपने चरम पर है और उसके कारण अन्य प्रकार के उन्माद भी यहां-वहां पैदा होते और उभरते दिखाई देते हैं। कोई भी उन्माद स्थाई नहीं होता, उसके उद्भव का कारण या परिस्थिति बीत जाने पर उन्माद का ज्वर भी उतर जाता है लेकिन उस उन्माद के प्रभाव में आकर किए गए अविवेकपूर्ण कर्म स्थाई एवं दीर्घकालीन परिणामों वाले होते हैं जिनकी कीमत व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को आगे चलकर चुकानी पड़ती है। राजनीतिक उन्माद भी चुनावों की समाप्ति के साथ ही उतरता तो है लेकिन तब तक वह समाज में घृणा और द्वेष के ऐसे बीज आरोपित कर चुका होता है जो भविष्य में राष्ट्र और समाज के विखंडन के कारण बन जाते है।

वर्तमान राजनीतिक उन्माद से हम भी अछूते नहीं हैं। हम जाने-अनजाने इस उन्माद के शिकार भी हो रहे हैं और इस उन्माद को प्रसारित करने का साधन भी बन रहे हैं। इसलिए हमारे लिए यह चिंतन करने योग्य बात है कि कहीं हम इस उन्माद में फंसकर इस तरह के कार्य तो नहीं कर रहे जो समाज में विघटन पैदा करते हों। कहीं हम किसी राजनीतिक दल अथवा राजनेता के प्रति अपनी पसंद अथवा नापसंद के वशवर्ती होकर अपने ही समाज के उन बंधुओं के प्रति विषवमन तो नहीं कर रहे जो किसी अन्य राजनीतिक दल अथवा राजनेता के विरोधी अथवा समर्थक हैं? कहीं हम इस राजनीतिक उन्माद में फंसकर विभिन्न जातियों और संप्रदायों के बीच घृणा बढ़ाने में सहभागी तो नहीं बन रहे? कहीं हम किसी राजनीतिक दल के विरोध के उन्माद के वशीभूत होकर उस दल में अपने ही समाज के नेतृत्व को समाप्त करने का आत्मघाती उन्माद तो नहीं पाल रहे? ऐसे ही अनेक प्रश्न हैं, जिन पर यदि हम चिंतन करेंगे तो पाएंगे कि कहीं न कहीं हम या हमारे साथी इस राजनीतिक उन्माद के शिकार होकर इस प्रकार के अविवेकपूर्ण और असंतुलित व्यवहार को अपना रहे हैं। सोशल मीडिया जैसे साधनों ने भी इस उन्माद के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लेकिन इस राजनीतिक उन्माद से प्रेरित व्यवहार के कारण समाज में जिस प्रकार से विखंडन बढ़ रहा है, उसकी कोई चिंता करता दिखाई नहीं देता। चूंकि राजनेताओं का लक्ष्य येन-केन-प्रकारेण सत्ता प्राप्ति का है, इसलिए वे समाज और राष्ट्र के भविष्य की चिंता किए बिना इस प्रकार के उन्माद को निरंतर बढ़ावा देते हैं जिससे उनके लक्ष्य की पूर्ति होती हो। लेकिन हमारा लक्ष्य सत्ता प्राप्ति नहीं है, हम किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता नहीं हैं बल्कि समाज के सदस्य हैं और इसलिए हमारा लक्ष्य अपने समाज को संगठित और मजबूत बनाना है। यह लक्ष्य किसी प्रकार के उन्माद में फंसने से नहीं बल्कि विवेकपूर्ण और समाज सापेक्ष व्यवहार को अपनाने से ही संभव होगा।

इसलिए यह आवश्यक है कि हम चारों तरफ फैल रहे इस राजनीतिक उन्माद के वातावरण से अपने आप को बचाएं। क्षणिक प्रवाह में बहकर समाज में आपसी विद्वेष और घृणा के बीज न बोएं, न ही अन्यों द्वारा बोए गए ऐसे विषाक्त बीजों को अपने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समर्थन के रूप में खाद-पानी प्रदान करें। यह इस देश का दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है कि यहां सर्वोच्च और सर्वाधिक उत्तरदायी पदों पर बैठे व्यक्ति भी अपनी सत्तालोलुपता के कारण ऐसे कार्य करने से नहीं हिचकिचाते जो भविष्य में देश और समाज में विखंडन पैदा करने का कारण बन सकते हैं। सभी राजनीतिक दल इस कुकृत्य में लिप्त हैं और उनके द्वारा फैलाए इस उन्माद के शिकार होकर सामान्य जन भी इसमें लिप्त हो रहे हैं। हमारे समाज को भी इस राजनीतिक उन्माद की उत्पत्ति और प्रसार में एक मोहरा बनाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। हमारे इतिहास का विकृतिकरण, हमारे समाज के प्रति अनर्गल टीका-टिप्पणी, अन्य जातियों और समुदायों में हमारे विरुद्ध दुष्प्रचार आदि भी इसी राजनीतिक उन्माद को भड़काने की उस प्रक्रिया के अंग हैं जिसमें एक समाज को दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर-के राजनीतिक स्वार्थों को साधा जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम राजनीतिक उन्माद के इस कुचक्र में फंसकर दूसरों के राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए साधन ना बनें बल्कि विवेकपूर्ण और संतुलित व्यवहार करते हुए स्वयं भी इस उन्माद से बचें और अन्यों को भी बचाने का प्रयास करें। क्षत्रिय के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि इस देश और संस्कृति को क्षति पहुंचाने वाले तत्वों से हम इनकी रक्षा करें। राजनीतिक उन्माद समाज और राष्ट्र को क्षति पहुंचाने वाला ऐसा ही एक विध्वंसकारी तत्व है। इस उन्माद से समाज की रक्षा करने का उपाय समाज में इसके विपरीत तत्व की सृष्टि करना है। उन्माद का विपरीत तत्व है जागृति। जहां जागृति है, वहां उन्माद नहीं पनप सकता। अतः राजनीतिक उन्माद का वातावरण तभी समाप्त हो सकता है जब समाज में राजनीतिक जागृति संचारित होगी। यह राजनीतिक जागृति भी सामाजिक जागृति का ही एक अंग है और यह सामाजिक जागृति समाज में तभी आएगी जब हम समाज के रूप में संगठित होंगे, हमारे चिंतन के आधार एक होंगे, हमारे आचरण के मापदंड एक होंगे, हमारे मूल्य और सिद्धांत एक होंगे। ऐसी एकता के लिए ही श्री क्षत्रिय युवक संघ कार्य कर रहा है। सामाजिक एकता से उद्भूत इस सामाजिक जागृति के निर्माण का मार्ग व्यक्तिगत जागृति से ही निकलता है क्योंकि जागृत व्यक्तियों से ही जागृत समाज का निर्माण होता है। इसलिए आएं, श्री क्षत्रिय युवक संघ की व्यक्ति निर्माण रूपी कार्यशाला में आकर सबसे पहले हम स्वयं जागृत बनें, विवेकवान बनें, सभी प्रकार के उन्मादों से अपने को मुक्त करें और उसके पश्चात सामाजिक जागृति के संवाहक बनकर क्षत्रिय का कर्त्तव्य निभाएं।

शिविर की तैयारियों का किया अवलोकन

11 से 14 जून तक प्रतापगढ़ जिले की अरनोद तहसील के निनोर गांव में आयोजित होने वाले श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की तैयारी का अवलोकन संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने 12 मई को शिविर स्थल पर जाकर किया। उन्होंने स्थान के निरीक्षण के साथ स्थानीय समाजबंधुओ से चर्चा कर अन्य व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। जैसलमेर संभाग के चांधन प्रांत में 5 से 8 जून तक देगराय मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले कर्मचारी वर्ग के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के स्थान पर प्रांत प्रमुख उम्मेद सिंह बडोडागांव पहुंचे और शिविर की व्यवस्था को लेकर स्थानीय समाजबंधुओं से चर्चा की। इस दौरान सुमेर सिंह सांवता, चंदन सिंह भोपा, स्वरूप सिंह दवाड़ा साथ में रहे।

बीकानेर स्थापना दिवस पर राजपूत व जाट समाज ने निभाई परंपरा

बीकानेर स्थापना दिवस के अवसर पर 9 मई को बीकानेर के संस्थापक राव बीका जी द्वारा स्थापित परंपरा का पालन करते हुए राव बीकाजी के वंशजों द्वारा जाट समाज की सातों बिरादरी के प्रतिनिधियों को अपने निवास स्थान पर बुलाकर मीठा खिचड़ा जिमाया गया। बीकानेर राज परिवार के अभिमन्यु सिंह के निवास पर हुए इस आयोजन में बीकानेर राजपूत सभा के पदाधिकारी एवं अन्य समाज बंधु भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 1488 में जब राव बीकाजी ने बीकानेर शहर की स्थापना की तब से ही प्रत्येक अक्षय तृतीया को सामाजिक सद्भावना की यह परंपरा चली आ रही थी जो पिछले कुछ समय से लुप्त हो गई थी जिसे अब पुनः प्रारंभ किया गया है।

निर्मला कंवर का हैदराबाद में अल्पकालीन शोध परियोजना हेतु चयन

बाड़मेर के सांवर (निम्बला) गांव की निवासी निर्मला कंवर पुत्री कूंप सिंह को प्रतिष्ठित शोध संस्थान सीसीएमबी-सीएसआईआर हैदराबाद में 8 सप्ताह की अल्पकालीन शोध परियोजना (Short Term Research Project) में अनुभवी विशेषज्ञों के साथ शोध करने के लिए चुना गया है। उनका चयन राजस्थान सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग की कार्या (Knowledge Augmention through Research in Young Aspirants) योजना के अंतर्गत किया गया है। कार्या योजना के तहत राजस्थान सरकार के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत विज्ञान के कुछ होनहार विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों पर विज्ञान के नवीन आयामों के अनुभव हेतु अल्पकालीन परियोजनाओं में सहभागी बनने का अवसर प्रदान किया जाता है। प्रतिभागियों को फेलोशिप के रूप में पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाती है।

अनमोल राठौड़ बनी फ्लाइंग ऑफिसर

कुचामन-डीडवाना जिले के लिचाणा गांव की निवासी अनमोल राठौड़ पुत्री ज्ञान सिंह भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर नियुक्त हुई हैं। 26 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित दीक्षांत समारोह के बाद उन्हें नियुक्ति मिली। अनमोल ने नीट परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करके सशस्त्र सेना चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस में प्रवेश लिया था। अनमोल श्री क्षत्रिय युवक संघ के सहयोगी ईश्वर सिंह जाखली की दोहिती है।

विश्व विजय सिंह राठौड़ को आईएससी बोर्ड में 99.25 प्रतिशत अंक

जयपुर निवासी विश्व विजय सिंह राठौड़ ने आईएससी बोर्ड द्वारा आयोजित 12वीं कक्षा की परीक्षा में 99.25 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय मेरिट में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। गणित के साथ मानविकी विषय से उन्होंने इस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विश्वविजय ने इससे पहले 2022 में आईजीसीएसई कैंब्रिज बोर्ड परीक्षा (दसवीं कक्षा) में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया था। वे विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में भी भाग लेते रहे हैं और स्कूल प्रीफैक्ट के साथ ही स्कूल डूमेटिक्स कप्तान भी रह चुके हैं। उन्हें अकादमिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति भी मिली है।

हीया शेखावत ने जीता स्वर्ण पदक, राष्ट्रीय स्तर पर चयन

श्री गंगानगर की पंचायती धर्मशाला में आयोजित हुई पांचवीं राजस्थान स्टेट गोजू रियू कराटे चैंपियनशिप 2024 में जयपुर की नवीन स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से भाग लेते हुए हीया शेखावत ने स्वर्ण पदक जीता। कराटे एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजीव खेतान के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में राजस्थान के 14 जिलों से आये हुए 380 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में राज्य मंत्री प्रहलाद राय टाक ने हीया शेखावत को स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। हीया द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए इनका चयन हुआ है जिसके फलस्वरूप वह जून माह में हिमाचल प्रदेश में आयोजित होने वाली नेशनल गोजू रियू कराटे चैंपियनशिप में भाग लेंगी। हीया शेखावत श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक चंदन सिंह चांदेसरा की दोहिती है।

जसवंत सिंह मीठड़ा का संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा में 16वां स्थान

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा (सीडीएस - 2) 2023 के हाल ही जारी परिणामों में मीठडा निवासी जसवंत सिंह ने अखिल भारतीय स्तर पर 16वां स्थान प्राप्त किया है। वे इससे पहले भारतीय वायु सेना द्वारा आयोजित एयरफोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट (एएफसीएटी - 02) 2023 परीक्षा में भी अखिल भारतीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त कर चुके हैं। जसवंतसिंह ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के अनेक शिविर किए हैं।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि **(कर्मचारी वर्ग)** (स्ववित्तपोषित)	05.06.2024 से 08.06.2024	श्री देगराय मंदिर परिसर, रासला, **जैसलमेर** विशेष : शिविर में पंजीकरण के लिए श्री झबर सिंह लूणा खुर्द से संपर्क करें। **मो.-9799137768**
02.	प्रा.प्र.शि **(बालक)**	05.06.2024 से 08.06.2024	श्री महाराणा प्रताप सभा भवन, लालबाग, श्रीनाथद्वारा, जिला-राजसमंद। संपर्क सूत्र - श्री ईश्वर नाथ सेदरां - 9680334951 श्री गोविन्द सिंह चुण्डावत खेडी - 9462678999 श्री शूरवीर सिंह सोडावास - 8003565679 श्री कुंजबिहारी सिंह बैरण - 9001841084
03.	प्रा.प्र.शि **(बालक)**	08.06.2024 से 11.06.2024	श्री केरेश्वर महादेव, लुणदा, कानोड़, जिला उदयपुर संपर्क सूत्र - श्री कैलाश सिंह लुणदा-7727828742 श्री प्रदीप सिंह लुणदा 6350544420 श्री नरेन्द्र सिंह लुणदा 8239403150 श्री शंकर सिंह अरनियां - 9929545727
04.	प्रा.प्र.शि **(बालक)**	11.06.2024 से 14.06.2024	पदमगढ नीनोर, तहसील - दलोट, जिला - प्रतापगढ़ संपर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सिंह नीनोर - 7874714143 श्री दिग्विजय सिंह चिकलाड़ - 9602232556 श्री अजीत सिंह बोरदिया - 9179974719 श्री राजकृष्ण सिंह - 9001919700 श्री हेमंत सिंह पलासिया - 9753324685
05.	प्रा.प्र.शि **(बालक)**	12.06.2024 से 15.06.2024	सोढाकोर, चांधन (जैसलमेर)

शिविर में आने वाले युवक काला नीकर, सफेद कमीज या टीशर्ट, काली जूती या जूता व युवतियां केसरिया सलवार कमीज, कपड़े के काले जूते, मौसम के अनुसार बिस्तर (एक परिवार से दो जने हों तो अलग-अलग), पेन, डायरी, टॉर्च, रस्सी, चाकू, सूई-डोरा, कंघा, लोटा, थाली, कटोरी, चम्मच, गिलास साथ लेकर आवें। संघ साहित्य के अलावा कोई पत्र-पत्रिका, पुस्तकें एवं बहुमूल्य वस्तुएं साथ ना लावें।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

ऋषि जाबालि एवं योगीराज जालंधरनाथजी की तपोभूमि : जालौर

जालौर एक प्राचीन नगर है, जिसे प्राचीन साहित्य और शिलालेखों में जाबालीपुर, जालंधर आदि नाम से अभिहित किया गया है। ऋषि जाबालि का तपस्या स्थल होने से इसे जाबालीपुर एवं योगीराज जालंधरनाथजी की तपोभूमि होने के कारण जालंधर या जालंधरपुर के नाम से भी जाना जाता था। इसके नामकरण की यात्रा पर दृष्टिपात से जाबालिपुर, जालंधरपुर, जालन्धर, जालहुर एवं जालौर नामकरण होना प्रतीत होता है। यहां कंचन पर्वत पर निर्मित प्राचीन किला कंचन दुर्ग (स्वर्णागिरी दुर्ग) भी कहलाता है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार महाराज मनु के 9 पुत्रों में से चतुर्थ पुत्र ने इस क्षेत्र में अपना शासन स्थापित किया था। इसी प्रकार भगवान राम के वंश इक्ष्वांकु वंश का भी यहां राज होने के संकेत मिलते हैं। महात्मा बुद्ध के काल में यह क्षेत्र अवंती (उज्जैन) के अधीन रहने एवं मौर्य शासको के भी इस भू भाग पर अधिकार होने का इतिहास पाया जाता है। गुप्तों के पश्चात इस क्षेत्र पर गुर्जरात्रा राष्ट्र के क्षत्रिय शासकों का भी अधिकार रहा। चावडा राजाओं के शासनकाल में यहां के प्रसिद्ध नगर श्रीमाल (भीनमाल) में महाकवि माघ हुए थे। प्रतिहार, परमार, चालुक्य, चौहान एवं राठौड़ राजवंशों का इस क्षेत्र पर समय-समय पर अधिकार रहा। डॉ दशरथ शर्मा के अनुसार प्रतिहार सम्राट नागभट्ट प्रथम की राजधानी होने का भी जालौर को गौरव प्राप्त है। संभवतया यहा कंचन दुर्ग (स्वर्णागिरी दुर्ग) का निर्माण भी उनके द्वारा ही करवाया गया होगा। कालांतर में नाडोल के चौहान शासक कीर्तिपाल ने सन 1181 ईस्वी में स्वर्णगिरी (जालौर) पर अधिकार कर अपनी राजधानी स्थापित करने के कारण यहां के प्रवृत्ति चौहान स्वर्णगिरा चौहान कहलाए, जिन्हें वर्तमान में सोनिगरा चौहान कहा जाता है। सन 1298 ईस्वी में दिल्ली के शासक अलाउद्दीन खिलजी की सेना को यहां के शासक कान्हड़-देव सोनिगरा चौहान ने धूल चटाई थी। समयांतर बाद अलाउद्दीन खिलजी की सेना ने फिर से जालोर पर आक्रमण किया था। खिलजी सेना द्वारा लगातार आक्रमणों का यहां के रणबांकुरो ने डटकर मुकाबला करते हुए बलिदानों का इतिहास रचा। वीरता एवं शहादत के प्रतीक शासक कान्हड़देव एवं युवराज वीर शिरोमणि वीरमदेव सोनिगरा समेत अनेक योद्धाओं ने खिलजी सेना से घमासान युद्ध करते हुए वीरगति प्राप्त की थी, साथ ही हजारों ललनाओं ने जौहर की धधकती ज्वाला में कूदकर अविस्मरणीय जौहर का अनुष्ठान किया था। रक्तरंजित शहादत के रोंगटे खड़े करने वाले बलिदान के बाद ही सन 1311 ईस्वी में अलाउद्दीन खिलजी का जालौर पर अधिकार हो सका था। इसी परिप्रेक्ष्य में यह उक्ति प्रसिद्ध रही है:

आभ् फटे धर उत्थे, टूटे बख्तर कौर।
सिर कटे धड़ तड़फड़े, जद छूट जालौर।।

यह धरती वीरभूमि के साथ ही महान तपस्या स्थली भी रही है। तपोभूमि जालौर की कलसाचल पहाड़ी पर अति प्राचीन सिरे मंदिर स्थित है जो योगीराज जालंधरनाथजी की तपोभूमि है, जिनके नाम पर जालौर को पहले जालंधरपुर भी कहा जाता था। योगीराज जालंधरनाथजी द्वारा परमार राजा रतनसिंह को चमत्कार दिखाने की कहानी भी यहां प्रचलित है। राजा रतनसिंह द्वारा स्थापित शिव मंदिर आज भी रत्नेश्वर महादेव के नाम से कलसाचल पहाड़ी पर सिरे मंदिर के पास ही स्थित है । सिरे मंदिर से जुड़ी जन श्रुतियों के अनुसार सन 1803 ईस्वी में योगीराज आयसदेवनाथजी द्वारा भटकते हुए मानसिंह को आशीर्वाद दिया गया था कि वे जोधपुर के शासक बनेंगे। ऐसा माना जाता है कि योगीनाथजी के आशीर्वाद से विपरीत परिस्थितियों में मानसिंह जी को जोधाणा (जोधपुर) की राजगद्दी मिली थी। यह भी कहा जाता है कि सिरे मंदिर जालौर में एक बार किसी बड़े उत्सव के दौरान जल स्त्रोतों में जल लुप्त हो गया था, तब यहां के योगीराज पीर श्री शांतिनाथजी महाराज द्वारा तपोबल से पुनः जल स्त्रोतों में जल भरने की कहानी भी जनमानस में प्रचलित रही है। अस्तु सनातन संस्कृति की तपोभूमि, धार्मिक नगरी एवं वीरों के अद्भुत बलिदान की प्रतीक जालौर की भूमि अपने आंचल में त्याग, तपस्या, आध्यात्मिकता एवं शहादत का गौरवशाली इतिहास समेटे हुए है।

डॉ उदय सिंह डिगार (प्रांत उपाध्यक्ष, भारतीय इतिहास संकलन समिति)

चित्तौड़गढ़ में विशेष शाखाओं का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ की विशेष साप्ताहिक शाखा 12 मई को चित्तौड़गढ़ की आरके कॉलोनी में धर्मवीर सिंह नरेड़ी के निवास पर आयोजित की गई। सामूहिक हवन के साथ प्रारंभ शाखा में श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने पूज्य श्री तनसिंह जी व श्री क्षत्रिय युवक संघ का विस्तृत परिचय दिया एवं कहा कि हमारे जीवन में श्रेष्ठता को उतारने का उपाय नियमित एवं निरंतर अभ्यास ही है। शाखा के माध्यम से हमें इस प्रकार का अभ्यास करने का अवसर उपलब्ध होता है। इसलिए आप सभी नियमित रूप से संघ की शाखा में आएं और पूज्य तनसिंह

जी के संदेश को ग्रहण करें। शाखा में छोटा खेड़ा, भाटियों का खेड़ा, आकोलागढ़, लाखा का खेड़ा, बिजोलिया आदि स्थानों के समाजबंधु भी उपस्थित रहे। इससे पूर्व 28 अप्रैल को चित्तौड़गढ़ की आरके कॉलोनी में योगेंद्र सिंह मक्खनपुरा के निवास पर विशेष शाखा आयोजित की गई। दिलीप सिंह रुद एवं अन्य सहयोगी शाखा में उपस्थित रहे। 5 मई को चित्तौड़गढ़ के कुंभानगर में स्थित श्री अचल भवन में विशेष शाखा का आयोजन हुआ जिसमें केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

कुणघेर में साप्ताहिक शाखा का प्रारंभ

गुजरात में पाटन प्रांत के कुणघेर गांव में 12 मई से साप्ताहिक शाखा का प्रारंभ हुआ। गांव में स्थित अंगासी माता धाम में लगने वाली यह शाखा प्रत्येक रविवार प्रातः 8:30 से 9:30 बजे तक लगेगी।

दिलीप सिंह दाबड़दुम्बा ने बैडमिंटन में जीता स्वर्ण पदक

राष्ट्रीय खेल एवं शारीरिक स्वस्थता बोर्ड के तत्वावधान में 26 से 28 अप्रैल तक पानीपत, हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता 2024 में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए अजमेर के दाबड़दुम्बा गांव के निवासी डॉ. दिलीप सिंह राठौड़ ने बैडमिंटन एकल आयु वर्ग 35 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। डॉ. राठौड़ वर्तमान में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला में टेक्निकल मैनेजर-सह-प्रयोगशाला प्रविधिज्ञक के पद पर कार्यरत हैं तथा सामाजिक कार्यों में भी सहयोगी रहते हैं।

महेश्वरी चौहान ने बनाई पेरिस ओलंपिक में जगह

अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाज और जालौर जिले के सियाणा गांव की निवासी महेश्वरी चौहान पुत्री प्रदीपसिंह ने दोहा, कतर में आयोजित शॉटगन ओलंपिक क्वालीफिकेशन चैंपियनशिप में महिलाओं की स्कीट शूटिंग स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए पेरिस ओलंपिक में शूटिंग में 21वां कोटा भी प्राप्त किया। 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए यह अंतिम शॉटगन क्वालीफाइंग इवेंट था जिसमें महेश्वरी ने सफलता प्राप्त की।

गुंजन सिसौदिया का उत्तराखंड सिविल सेवा न्यायिक परीक्षा में चयन

उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद जिले के बझेड़ा गांव की निवासी गुंजन सिसौदिया पुत्री शशिकांत सिसौदिया ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा न्यायिक परीक्षा मे 9वां स्थान प्राप्त किया है। वर्तमान मे उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले के बाजपुर में निवासरत गुंजन के पिता शशिकांत सिसौदिया बाजपुर गन्ना विकास सहकारी समिति के कर्मचारी थे जिनकी कुछ वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई थी। गुंजन की शिक्षा बीसीएसएफ इंटर कॉलेज और जीजीआईसी बाजपुर से हुई। उन्होंने नोएडा से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की है और वर्तमान में वे बाजपुर बार एसोसिएशन की संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत है।

अद्भुत शौर्य और वीरता के प्रतीकः क्षत्रिय शिरोमणि महाराणा प्रताप

'महाराणा प्रताप' यह नाम एक ऐसा नाम है जो शरीर में झुरझुरी सी भर देता है, साथ ही एक नया जोश, उत्साह और वीरता, साहस एवं संघर्ष का तीव्र एहसास जगा देता है। सहसा ही अपनी क्षमताओं पर दोगुना विश्वास होने लग जाता है। ऐसा चमत्कारी है महाराणा प्रताप का नाम। स्वाभाविक है कि जिसने भी इतिहास या महाराणा प्रताप की जीवनी पढी है वह उनके अदम्य साहस और वीरता के साथ उनके विराट व्यक्तित्व से प्रभावित हुये बिना नहीं रह सकता। शायद ही भारतीय इतिहास में और दूसरा उदाहरण हमें मिले, जो महाराणा प्रताप के शौर्य की बराबरी कर सके। हालाँकि ऐसी तुलना कर मैं दुस्साहस पूर्ण कार्य कर रहा हूँ लेकिन फिर भी विपरीत परिस्थितियों में, वह भी हाथी के सामने चींटी जैसी हैसियत के साथ हाथी के भी दाँत खट्टे कर देने वाला ऐसा महान योद्धा मुझे तो कहीं नहीं दिखाई देता है। महाराणा प्रताप भारत की राजपूताना भूमि अर्थात आज के राजस्थान की धरती पर पले बढ़े थे। वहाँ के मेवाड़ राज्य का यह सौभाग्य है कि उसने ऐसे प्रतापी राजा की महानता को अपनी आँखों से देखा। महाराणा प्रताप के पिता उदयसिंह के समय चित्तौड़गढ़ पराधीन हो चुका था, उस समय उदयसिंह ने ही बड़ी वीरता के साथ उसे बनवीर के कब्जे से निकालकर पुनः अपने राज्य में शामिल कर राजपूती शान में वृद्धि की थी। इसके बाद ही उन्होंने अपना राजतिलक कराया था।

महाराणा प्रताप को जब मेवाड़ की गद्दी मिली उस समय चारों ओर अशांति, अभाव एवं युद्ध की छाया मंडरा रही थी। उन्हें विरासत में कोई सुदृढ़ सुरक्षा नहीं प्राप्त हो सकी। यह तो महाराणा प्रताप का ही व्यक्तित्व और वीरता थी कि उन्होंने मेवाड़ को बचाये रखा व अथक प्रयासों से राज्य को फलने फूलने के लिये समुचित अवसरों का उपयोग किया। महाराणा प्रताप के गद्दीनशीन होने के समय भी खासा विवाद हुआ था। उनके छोटे भाई पहले से ही गद्दी पर बैठ चुके थे। उन्हें हटाने के लिये मेवाड़ के सारे राजपूतों ने एकमत होकर महाराणा प्रताप को मेवाड़ की गद्दी सौंपी। महाराणा प्रताप के छोटे भाई जगमाल इससे बहुत कुपित हुये और वे मेवाड़ छोड़ कर चले गये।

उधर दिल्ली के तख्तोताज पर मुगल बादशाह अकबर का परचम लहरा रहा था। अकबर का साम्राज्य पूरे भारत वर्ष में कतिपय राज्यों को छोड़कर चारों ओर फैला हुआ था। अब अकबर चाहता था कि बाकी बचे हुए राज्यों को या तो समझौते, मित्रता के द्वारा अधीन किया जाये या फिर युद्ध में परास्त करके। इसके लिये वह पहले मित्रता की पेशकश करता था। इसके पश्चात कोई हल नहीं निकलने पर वह युद्ध की चुनौती देता था। महाराणा प्रताप के मेवाड़ का शासक बनने की खबर से अकबर भी अंजान नहीं था। उसने प्रताप की वीरता और महत्वाकांक्षा से भयभीत होकर अनेक बार उनसे मित्रता का प्रयास किया। परंतु हर बार महाराणा प्रताप ने उसकी मित्रता की पेशकश को ठुकरा दिया। महाराणा प्रताप को यह भलीभाँति ज्ञात था कि अकबर से मित्रता करने का अर्थ था अप्रत्यक्ष रुप से उसकी आधीनता स्वीकार करना। वहीं मित्रता से इंकार करने का अर्थ था उससे युद्ध के लिये विवश होना। इसलिये महाराणा प्रताप ने अकबर की मित्रता अस्वीकार करने के बाद यद्ध की तैयारियाँ भी शुरू कर दीं। महाराणा प्रताप की विशेषता देखिए - वे दुश्मन सैनिकों को तलवार के अपने एक ही वार में घोड़े समेत काट डालते थे। आज भी महाराणा प्रताप की तलवार, कवच, भाला, ढाल आदि उदयपुर राजघराने के संग्रहालय में सुरक्षित हैं। अकबर ने कहा था कि अगर राणा प्रताप मेरे सामने झुकते हैं तो आधा हिंदुस्तान उनके नाम कर दूंगा लेकिन मेरी अधीनता स्वीकार करनी होगी, जिस पर महाराणा प्रताप ने साफ इनकार कर दिया। हल्दीघाटी की लड़ाई में मेवाड़ से बीस हजार सैनिक थे। वहीं अकबर की ओर से पच्चासी हजार सैनिक युद्ध में सम्मिलित हुए। हल्दीघाटी के युद्ध के 300 साल बाद भी जमीनों में तलवार पाई जाती है। आखिरी बार तलवारों का जखीरा 1985 में हल्दीघाटी में मिला था। महाराणा प्रताप को शस्त्र- शिक्षा जयमल जी मेडतिया ने दी थी। प्रताप के नेतृत्व में राजपूत वीरों के साथ मेवाड़ के आदिवासी और भील समाज के वीरों ने हल्दीघाटी के युद्ध में अपने तीरों से अकबर के दुश्मन सैनिकों को धूल चटा दी थी। महाराणा प्रताप का घोड़ा चेतक महाराणा को 26 फीट का दरिया पार कराने के बाद ही वीरगति को प्राप्त हुआ। उसकी एक टांग टूटने के बाद भी वह दरिया पार कर गया। जहां वह घायल हुआ वहां आज भी घोड़ी इमली नाम का पेड़ है। जहां पर चेतक की मृत्यु हुई, वहीं चेतक का मंदिर स्थापित किया गया है। महाराणा का घोड़ा चेतक इतना ताकतवर था कि उसके मुंह के आगे दुश्मन के हाथियों को भ्रमित करने के लिए हाथी की नकली सूंड लगाई जाती थी। महाराणा प्रताप के पास चेतक के अलावा उसका भाई हेतक नामक घोड़ा भी था। प्राण त्यागने से पूर्व महाराणा प्रताप ने अपना खोया हुआ पच्चासी प्रतिशत मेवाड़ फिर से जीत लिया था। सोने, चांदी और महलों को छोड़कर वे बीस साल तक मेवाड़ के जंगलों में घूमते रहे।

प्रताप अपनी प्रजा के लिये कभी भी युद्ध नहीं चाहते थे, हमेशा उन्होंने युद्ध के ऊपर शांति को ज्यादा तरजीह दी लेकिन तात्कालिक परिस्थितियों और अकबर की दुर्दम्य महत्वाकांक्षा ने उन्हें एक अनिवार्य संघर्ष में झोंक दिया। यह संघर्ष हल्दीघाटी के युद्ध से शुरू हुआ जो दिवेर के युद्ध में अकबर की निर्णायक पराजय के साथ पूर्ण हुआ। उसके बाद वर्षों तक महाराणा प्रताप ने शांति पूर्वक मेवाड़ का शासन कर उसके वैभव को पुनर्स्थापित करने में योग दिया।

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

बीकानेर में राजपूत समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

बीकानेर के तिलक नगर में स्थित श्री राजपूत भवन में राजपूत समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह 30 अप्रैल को आयोजित हुआ। समारोह में विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा केंद्र व राज्य सेवाओं में चयनित होने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया। क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष कर्ण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सिद्धि कुमारी, पूर्व आईजी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, कर्नल हेम सिंह शेखावत, चंद्रवीर सिंह चौहान, बजरंग सिंह राठौड़, सुरेंद्र सिंह भाटी, मोहन सिंह नाल, बजरंग सिंह रॉयल, कर्नल शिशुपाल सिंह पंवार सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने युवाओं के प्रोत्साहन के लिए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता जताते हुए कहा कि समाज की युवा शक्ति को प्रशासनिक सेवाओं में जाने के लिए अधिकाधिक प्रयास करना चाहिए क्योंकि ऐसा करके ही वे देश और समाज की सेवा कर सकेंगे। ओंकार सिंह मोरखाना व यशवंत सिंह मिंगसरिया ने आयोजन मंडल के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया।

(पृष्ठ एक का शेष)

गिनीज बुक...

हिम्मत सिंह ने स्पेन में क्रिश्चियन राबर्ट लापेज द्वारा 24 घंटे में 65895 सीढियां चढ़ने के कीर्तिमान को तोड़कर नया कीर्तिमान बनाया। उन्होंने लगभग 41 डिग्री तापमान वाले वातावरण में ये सीढ़ियां चढ़ीं। इस अभियान से पहले हिम्मत सिंह ने संघशक्ति भवन पहुंचकर माननीय संघप्रमुख लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास व वरिष्ठ स्वयंसेवक महावीर सिंह जी सरवड़ी से मार्गदर्शन प्राप्त किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर सम्भाग प्रमुख राजेन्द्र सिंह बोबासर भी इस आयोजन के दौरान सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। हिम्मत सिंह ने 23 मार्च को भी को भी जयपुर के खातीपुरा पुलिया की सीढ़ियों पर मात्र 19 घंटे 46 मिनट 16 सैकंड में 20 किमी आरोही और 20 किमी अवरोही क्रम में चढ़कर विश्व कीर्तिमान बनाया था लेकिन गिनीज बुक आफ रिकॉर्ड ने अपने लिए अलग से रिकॉर्ड बनाने की गाइड लाइन दी, जिसके अनुसार उन्होंने पुनः रिकॉर्ड बनाया। उल्लेखनीय है कि अजमेर जिले के गोला खरवा गांव में जन्मे हिम्मत सिंह अनेक शारीरिक समस्याओं से पीड़ित रहे हैं किंतु फिर भी जीवटता और संघर्षशीलता से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। वे बच्चों को निशुल्क सेना और खेल की तैयारी भी करवाते हैं।

फतह सिंह पांचोटा को मातृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक फतह सिंह पांचोटा की **माताजी हवन कंवर** का देहावसान 27 अप्रैल को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

माताजी हवन कंवर

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की दो दिवसीय कार्यशाला पांचोंटा में संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की जालोर जिले की दो दिवसीय कार्यशाला पांचोटा स्थित श्री नागणेचियां माताजी मंदिर प्रांगण में 4-5 मई को आयोजित हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने फाउंडेशन के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं उसके गठन से लेकर अब तक की यात्रा पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि वर्तमान में समाज में अनेक प्रकार की चुनौतियां हैं जिनके

समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन इसी सामूहिक प्रयास के लिए एक मंच उपलब्ध करवा रहा है। समाज को लेकर हमारी अलग-अलग पीड़ाएं हैं, उन सभी के समाधान के लिए एक माध्यम बनाने का कार्य फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं श्री प्रताप फाउंडेशन के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यशाला में जालोर, पाली, सिरोही एवं सांचौर जिलों के सहयोगियों ने उपस्थित रहकर विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की एवं फाउंडेशन के कार्यविस्तार को लेकर कार्ययोजना तैयार की। जालौर, भीनमाल आदि स्थानों पर भी ऐसी कार्यशालाएं आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। जिले के नवचयनित सरकारी कर्मचारियों का एक स्नेहमिलन रखने का भी निर्णय लिया गया। आहोर में समाज के व्यवसायी बंधुओं की एक बैठक रखने पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला में संघ के जालोर संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी, मोहब्बत सिंह धींगाना, खुमान सिंह दूदिया, सुमेर सिंह धानपुर, गजेंद्र सिंह बलूपुरा, मोरध्वज सिंह बाला, इंदर सिंह नारवना, मदन सिंह थुम्बा, कुलदीप सिंह गरनिया, अभयपाल सिंह सूरजपुरा, हीर सिंह कीलवा आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

गोहिलवाड़ संभाग की कार्ययोजना बैठक संपन्न

गोहिलवाड़ संभाग की संभागीय कार्ययोजना बैठक 27 अप्रैल को भावनगर में आयोजित हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची के कारखाने पर आयोजित इस बैठक में संभाग में इस सत्र में हुए संघ कार्य की समीक्षा की गई एवं आगे के लिए कार्ययोजना तय की गई। संभाग में आयोजित होने वाले बालकों एवं बालिकाओं के शिविरों के प्रस्ताव, वर्तमान शाखाओं की स्थिति एवं नवीन शाखाओं के प्रारंभ, स्नेहमिलन एवं जयंतियों आदि के आयोजन, संघशक्ति व पथप्रेरक सदस्यता अभियान सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई एवं लक्ष्य तय करके तदनुरूप दायित्व सौंपे गए। केंद्रीय कार्यकारी पांची ने बैठक में उपस्थित स्वयंसेवकों से राधेजा (गांधीनगर) में आयोजित होने जा रहे उच्च प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों पर भी चर्चा की और संभाग से अधिकतम पात्र स्वयंसेवकों से संपर्क कर उन्हें शिविर में चलने के लिए प्रेरित करने की बात कही। काणेटी में आयोजित होने वाले बालिका माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर के संबंध में भी बैठक में चर्चा की गई।

भीलवाड़ा शाखा में मनाया अधिकतम संख्या दिवस

भीलवाड़ा की महाराव चंद्रसेन शाखा द्वारा 5 मई को अधिकतम संख्या दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामूहिक यज्ञ का अनुष्ठान भी किया गया।

तनाश्रम में संभागीय स्नेहमिलन का आयोजन

जैसलमेर संभाग का संभागीय स्नेहमिलन 5 मई को जैसलमेर शहर स्थित संभागीय कार्यालय 'तनाश्रम' में आयोजित हुआ। बैठक में जैसलमेर संभाग में वर्ष भर में किए गए संघ कार्यों की समीक्षा की गई। संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली द्वारा राधेजा, गांधीनगर में आयोजित होने वाले उच्च प्रशिक्षण शिविर एवं काणेटी में आयोजित होने वाले बालिका माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर के लिए संभाग के पात्र बालकों एवं बालिकाओं से संपर्क करने की बात कही गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबू सिंह बैरसियाला, गंगा सिंह तेजमालता, भवानी सिंह मुंगेरिया, सांवल सिंह मोढ़ा सहित अनेकों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जयपुर संभाग का मई माह का मासिक स्नेहमिलन संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर संभाग का मई माह का मासिक स्नेहमिलन कार्यक्रम 12 मई को सदाविहार प्रथम, दीपपुरा, टोडी मोड़, सीकर रोड, जयपुर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रांत प्रमुख रामसिंह आकदडा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली के बारे में बताया और सामाजिक भाव को सुदृढ़ करने के लिए इस प्रकार के स्नेहमिलन कार्यक्रमों के आयोजन के महत्व को समझाया। दयालसिंह श्यामपुरा, विजयसिंह मरडाटु, नरेंद्रसिंह निमेड़ा, विश्व प्रताप सिंह विजयपुरा, बजरंग सिंह जैतपुर खींची व सीमा कंवर विजयपुरा ने भी अपने विचार रखें और समाज को एक विस्तृत परिवार मानते हुए सहयोगी भाव से रहने की बात कही। वक्ताओं द्वारा समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ से परिचित कराते हुए संघ द्वारा आयोजित शिविर, शाखाएं, स्नेहमिलन आदि कार्यक्रमों एवं मासिक पत्रिका संघशक्ति व पाक्षिक समाचार पत्र पथप्रेरक के बारे में जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में आसपास की विभिन्न कॉलोनी के समाजबंधुओ के साथ ही मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही। जयपुर संभाग के ग्राम इटावा भोपजी में 6 जून से आयोजित होने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की जानकारी भी दी गई जिस पर उपस्थित युवाओं ने शिविर में शामिल होने के लिए उत्साह दिखाया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रवीणसिंह विजयपुरा ने बताया कि अगले मासिक स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन 2 जून को इटावा भोपजी, चौमू, जयपुर में व 7 जुलाई को हर-देव नगर, टोडी मोड़ शाखा स्थल, हरमाड़ा घाटी क्षेत्र, जयपुर में किया जाएगा।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org